



Meena kumari

08 Jun 2000

08:30 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121009105

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 08/06/2000  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 08:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 07:24:02 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Jaipur  
राज्य \_\_\_\_\_: Rajasthan  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:53:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:50:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:26:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 08:03:20 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:00:57 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 01:10:34 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:32:23 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 19:19:14 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:46:52 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: ग्रीष्म  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 23:46:27 वृष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 02:51:29 कर्क

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कर्क - चन्द्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मघा - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: हर्षण  
करण \_\_\_\_\_: गर  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: मे-मेहर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मिथुन

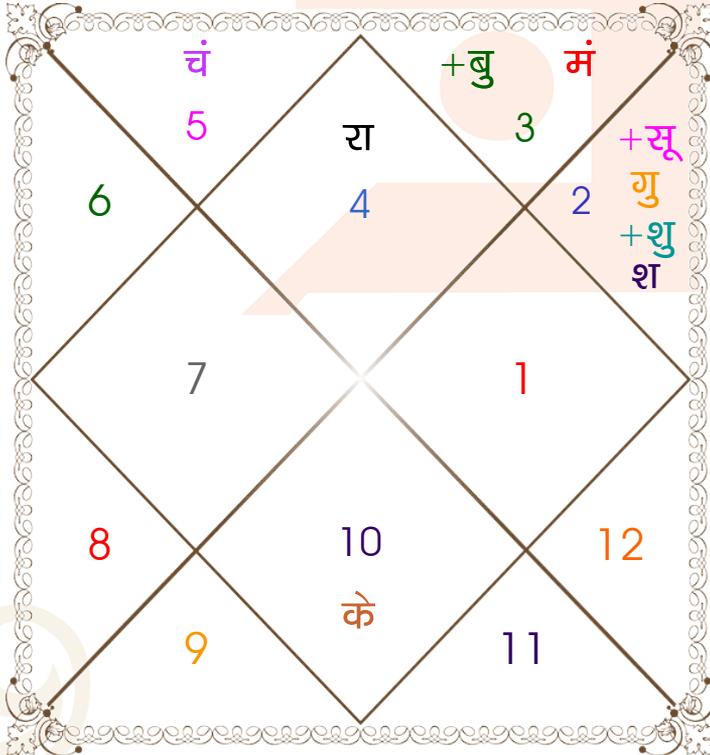
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	02:51:29	310:19:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृष	23:46:27	00:57:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	10:48:23	13:50:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल	अ		मिथु	00:28:57	00:40:37	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मिथु	17:43:03	01:02:56	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	स्वराशि
गुरु			वृष	01:16:35	00:13:40	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	अ		वृष	22:52:18	01:13:43	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
शनि			वृष	00:09:37	00:07:19	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			कर्क	01:21:53	00:01:06	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	01:21:53	00:01:06	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:53:21	00:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:28:12	00:00:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:30:34	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	25:15:14	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	राहु	--

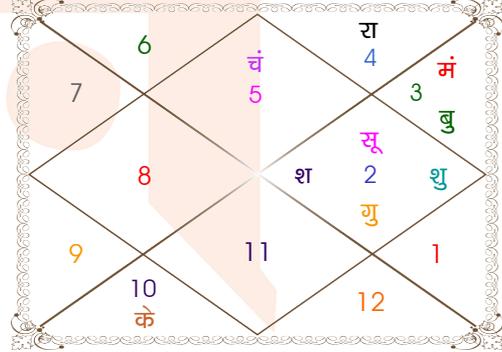
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:31

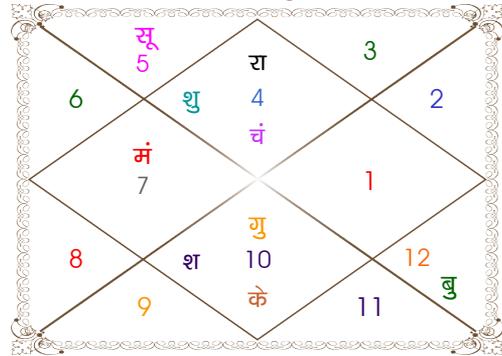
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 3 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
08/06/2000	05/10/2001	05/10/2021	06/10/2027	05/10/2037
05/10/2001	05/10/2021	06/10/2027	05/10/2037	05/10/2044
00/00/0000	शुक्र 04/02/2005	सूर्य 23/01/2022	चंद्र 05/08/2028	मंगल 04/03/2038
00/00/0000	सूर्य 04/02/2006	चंद्र 25/07/2022	मंगल 06/03/2029	राहु 22/03/2039
00/00/0000	चंद्र 06/10/2007	मंगल 29/11/2022	राहु 05/09/2030	गुरु 26/02/2040
00/00/0000	मंगल 05/12/2008	राहु 24/10/2023	गुरु 05/01/2032	शनि 06/04/2041
00/00/0000	राहु 06/12/2011	गुरु 11/08/2024	शनि 06/08/2033	बुध 03/04/2042
00/00/0000	गुरु 06/08/2014	शनि 24/07/2025	बुध 05/01/2035	केतु 30/08/2042
08/06/2000	शनि 05/10/2017	बुध 31/05/2026	केतु 06/08/2035	शुक्र 30/10/2043
शनि 08/10/2000	बुध 05/08/2020	केतु 06/10/2026	शुक्र 06/04/2037	सूर्य 06/03/2044
बुध 05/10/2001	केतु 05/10/2021	शुक्र 06/10/2027	सूर्य 05/10/2037	चंद्र 05/10/2044

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
05/10/2044	06/10/2062	06/10/2078	05/10/2097	07/10/2114
06/10/2062	06/10/2078	05/10/2097	07/10/2114	00/00/0000
राहु 18/06/2047	गुरु 23/11/2064	शनि 08/10/2081	बुध 04/03/2100	केतु 05/03/2115
गुरु 11/11/2049	शनि 06/06/2067	बुध 18/06/2084	केतु 01/03/2101	शुक्र 04/05/2116
शनि 17/09/2052	बुध 11/09/2069	केतु 27/07/2085	शुक्र 31/12/2103	सूर्य 09/09/2116
बुध 06/04/2055	केतु 18/08/2070	शुक्र 26/09/2088	सूर्य 06/11/2104	चंद्र 10/04/2117
केतु 24/04/2056	शुक्र 18/04/2073	सूर्य 08/09/2089	चंद्र 07/04/2106	मंगल 06/09/2117
शुक्र 25/04/2059	सूर्य 04/02/2074	चंद्र 09/04/2091	मंगल 04/04/2107	राहु 24/09/2118
सूर्य 18/03/2060	चंद्र 06/06/2075	मंगल 18/05/2092	राहु 22/10/2109	गुरु 31/08/2119
चंद्र 17/09/2061	मंगल 12/05/2076	राहु 25/03/2095	गुरु 28/01/2112	शनि 09/06/2120
मंगल 06/10/2062	राहु 06/10/2078	गुरु 05/10/2097	शनि 07/10/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाले हैं। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगे एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सके तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भौंति उदर बढ़ाने की प्रवृत्ति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पत्नी के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकते हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका पारिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करते रहेंगे।

आप अपने स्वस्थ के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।

